



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 45]
No. 45]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 1, 2003/चैत्र 11, 1925
NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 1, 2003/CHAITRA 11, 1925

नागर विमानन मंत्रालय
(भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2003

फा. सं. ए.ए.आई./पर्स/ईडीपीए/आरईजी/2002. — भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 (1994 का 55) की धारा 21 और धारा 42 की उपधारा (2) के खंड (ख) तथा उपधारा (4) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (संविदा) विनियम, 2003 है।

(2) ये भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संविदाएं या संविदाओं के वर्ग जिन्हें प्राधिकरण की सामान्य मुद्रा से मुद्रांकित किया जाना अपेक्षित है—निम्नलिखित संविदाओं या संविदाओं के वर्ग को प्राधिकरण की सामान्य मुद्रा से मुद्रांकित किया जाएगा, अर्थात् :—

(क) वे संविदाएं, जो केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से की जानी हैं;

(ख) वे संविदाएं जो प्राधिकरण के पूर्व अनुमोदन से की जानी हैं; और

(ग) वे संविदाएं जो केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकरण को मंजूर किए गए उधार, अनुदान और अग्रिम के संबंध में हैं।

3. वह रीति, जिसमें संविदा को प्राधिकरण की सामान्य मुद्रा से मुद्रांकित किया जाना है—(1) बोर्ड, मुद्रा की सुरक्षित अभिरक्षा के लिए उपबंध करेगा।

(2) प्राधिकरण की मुद्रा किसी लिखत या दस्तावेज या करार या विलेख पर प्राधिकरण द्वारा बोर्ड के या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत बोर्ड की किसी समिति के संकल्प के सिवाय, और कम से कम दो निदेशकों तथा कम्पनी सचिव या किसी ऐसे अन्य व्यक्ति की, जो बोर्ड द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त किया जाता है, उपस्थिति में के सिवाय नहीं लगाई जाएगी और वे दो निदेशक तथा कम्पनी सचिव या पूर्वोक्त अन्य व्यक्ति, प्रत्येक लिखत पर जिस पर प्राधिकरण की मुद्रा उनकी उपस्थिति में इस प्रकार लगाई है, हस्ताक्षर करेंगे।

(3) प्रत्येक संविदा को, यथास्थिति, करार विलेख, अनुज्ञप्ति विलेख, अनुबंध या इसी प्रकार की लिखत को प्राधिकरण और संबंधित पक्षकार द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षर करके निष्पादन द्वारा अन्तिम रूप दिया जाएगा तथा, यथास्थिति, करार विलेख, अनुज्ञप्ति विलेख, अनुबंध या वैसे ही लिखतों का निष्पादन, जहां आवश्यक हो, समुचित मूल्य के न्यायिकेतर स्टाम्प पत्र पर निष्पादित किया जाएगा।

4. निरसन और व्यावृत्ति खंड—(1) नियत तारीख से ही, भारत का अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकारी (संविदा) विनियम, 1974 और राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (संविदा) विनियम, 1987 निरसित हो जाएंगे।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, इस प्रकार निरसित किए जाने के लिए पूर्वोक्त विनियमों के अधीन की गई या किए जाने के लिए तात्पर्यित कोई बात या कार्यवाई, जहां तक वह इन विनियमों के उपबंधों से असंगत न हो, इन विनियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन की गई समझी जाएगी।

एस. के. नरूला, अध्यक्ष

[विज्ञापन-3/4/असाधारण/158/02]

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

(Airports Authority of India)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2003

F. No. AAI/PERS/EDPA/Rcg/2002.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (e) of sub-section (2) and sub-section (4) of Section 42 and read with Section 21 of the Airports Authority of India Act, 1994 (No. 55 of 1994), the Airports Authority of India with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Airports Authority of India (Contract) Regulations, 2003.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Contracts or class of contracts, which are required to be sealed with the common seal of the Authority.—The following contracts or class of contracts shall be sealed with the common seal of the Authority, namely :—

- (a) Contracts to be made with the previous approval of the Central Government;
- (b) Contracts to be made with the previous approval of the Authority; and
- (c) Contracts regarding loans, grants and advances sanctioned to the Authority by the Central Government.

3. Manner in which contract is to be sealed with the Common Seal of the Authority.—(1) The Board shall provide for the safe custody of the Seal.

(2) The Seal of the Authority shall not be affixed to any instrument or document or agreement or deed except by the Authority of a resolution of the Board or of a Committee of the Board authorised by it in that behalf, and except in the presence of at least two Directors and of the Company Secretary or such other person as the Board may appoint for the purpose and those two Directors and the Company Secretary or other person aforesaid shall sign every instrument to which the Seal of the Authority is so affixed in their presence.

(3) All contracts shall be finalised by the execution of a Deed of Agreement, Deed of Licence, Indenture or a like instrument, as the case may be, duly signed by the Authority and the party concerned and the Deed of Agreement, Deed of Licence, Indenture or a like instrument, as the case may be, shall be executed, where necessary, on non-judicial paper of appropriate stamp value.

4. Repeal and Saving Clause.—(1) On and from the appointed date, International Airports Authority of India (Contracts) Regulations, 1974 and the National Airports Authority (Contracts) Regulations, 1987 shall stand repealed;

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken or purported to have been done or taken under the aforesaid regulations so repealed, shall, in so far as it is not inconsistent with the provisions of these Regulations, be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these Regulations.

S. K. NARULA, Chairman

[ADVT-3/4/Exty/158/02]